Agreement Signed with Spain

*313. DR. (SHRIMATI) NAJMA HEPTULLA:

SHRI SURESH PACHOURI:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether any agreement has been signed with Spain in the military and nuclear energy field; and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI K. NATWAR SINGH): (a) and (b) No Agreement has been signed with Spain in the military field. An Indo-Spanish Bilateral Agreement on Cooperation in Peaceful Uses of Nuclear Energy was signed on March 27, 1965. This Agreement lapsed on December 14, 1977. During Prime Minister's visit to Spain in July 1988 the possibility of reactivating this Agreement was discussed.

Chernobyl Accident

*314. SHRI RAM AWADHESH SINGH: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that radioactive Cesium-137 is highly water soluable and was the main ingredient in Chernobyl accident; and

(b) whether any air, soil and water samples were tested after Chernobyl accident, whose fall out travelled around the world and if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY AND THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENTS OF OCEAN DEVELOPMENT, ATOMIC ENERGY, ELECTRONICS AND SPACE (SHRI K. R. NARAYANAN): (a) Yes, Sir. Most of the cesium salts are highly water soluable and cesium-137 was the main long lived radionuclide released as a result of Chernobyl accident.

(b) Yes, Sir. The radioactivity levels measured in India were very small, were detectable during the period, mid May to mid June, 1986. The resulting exposure is estimated to be 0.1 millirem compared to 200 millirem of annual natural background radiation.

इन्सैट–1 सी उपग्रह का प्रक्षेपण

*315. **श्री अजीत पी.के. जोगी :**
श्री सोहन लाल धूसिया :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि हाल ही में छोड़े गए इन्सेट-1 सी उपग्रह में कुछ खराबियां आ गई हैं, जिनके कारण इस उपग्रह का प्रयोग करना संभव नहीं होगा ; और

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में क्या वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है ?

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा महासागर विकास, परमाणु ऊर्जा, इलेक्ट्रानिकी और अंतरिक्ष विभागों में राज्य मंत्री (श्री के. आर. नारायणन) : (क) इन्सेट-सी 1 के सफलतापूर्वक प्रमोचन कक्षीय वर्धन, सभी यांत्रिकियों के प्रस्तरण और तीव्रभारों की प्रारंभिक जांचों के बाद 29 जुलाई, 1988 को दो सौर पावर लाइनों में से एक लाइन में एक असामान्य विद्युत शार्ट हो गया । इस दोष के कारण इन्सेट-1सी की क्षमताओं के एक भाग पर ही प्रभाव पड़ा है । अन्य पावर लाइन से जुड़ी हुई सभी सेवाएं संतोषजनक रूप से प्रचालन में हैं । वे इस प्रकार हैं:

(1) छह सी-बैण्ड संचार ट्रांसपोण्डरों तक

(2) एक एस-बण्ड प्रसारण ट्रांसपोण्डर

(3) सम्पूर्ण मौसमविज्ञानीय प्रतिबिम्बन प्रणाली (वी. एच. आर. आर.)

(4) सम्पूर्ण आंकड़ा रिले ट्रांसपोन्डर (डी. आर. टी.)

(ख) इस समय उपलब्ध नीतभार सम्पूरक के अधिकतम प्रचालन को सुनिश्चित करने पर जोर दिया जा रहा है।

Conversion of Indians in Fiji to Christianity

*316. SHRI MUKHTIAR SINGH MALIK:

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the press report which appeared in the "Indian Express" dated the 23rd July, 1988 wherein it has been stated that Brig. Gen. Rebuka of Fiji has been forcing Indian Hindus and Muslims to convert to Christianity and declare the country as a Christian nation;

(b) if so, whether the Government of India have protested to the Fiji Government in regard thereto; and

(c) whether any steps have been taken or are proposed to be taken by the Government of India to protect the Indians in Fiji and if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI K. NATWAR SINGH): (a) to (c) Government has seen the report. In a book by Brig. Rebuka called "No Other Way" references are made to his desire to see Indians in Fiji converted to Christianity. He is also quoted as saying that Fiji should be declared a Christian nation. These are, evidently, Brig. Rebuka's personal views.

We have no confirmation of any actual conversions to Christianity having taken place.

सम्पत्ति में औरतों के लिए अधिकार

*317. **कुमारी सुशीला तिरिया :**
श्रीमती वीणा वर्मा :

क्या **विधि और न्याय मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मौजूदा पारिवारिक ढांचे मे आम तौर पर औरतों के स्वामित्व में कोई संपत्ति नहीं होती है, इसलिये उन्हें स्वतन्त्र रूप से कर्ज लेने का हकदार नहीं समझा जाता है ;

(ख) यदि हां, तो सरकार औरतो को सम्पत्ति में अधिकार दिलाने के लिये क्या कदम उठाने का विचार रखती है ; और

(ग) क्या भारतीय नारी को पत्नी के रूप में अपने पति की सम्पत्ति मे कोई अधिकार है और वह कब अपने पति की सम्पत्ति में अधिकार पाने की पात्र होती है ?

विधि और न्याय मंत्री तथा जल संसाधन मंत्री (श्री बी. शंकरानन्द) : (क) जी, नही ।

(ख) प्रश्न ही नही उठता ।

(ग) पत्नी को, विवाह करते ही, पति की सम्पत्ति मे अधिकार प्राप्त हो जाता है ।